भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4478
गुरुवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमान के पिछले हिस्से के रनवे से टकराने की घटनाएं

4478. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत दो वर्षों के दौरान चेन्नई विमानपत्तन पर हुई घटना सहित विमान के पिछले हिस्से के रनवे से टकराने की कई घटनाएं हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन घटनाओं की जांच के आदेश दिए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एयरबस के अन्य विमानों की तुलना में ए 321 विमानों की लंबाई अधिक होने के कारण उनके पिछले हिस्से के टकराने की संभावना अधिक होती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या नागर विमानन महानिदेशालय ने एयरबस कंपनी से कोई स्पष्टीकरण मांगा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या उपचारात्मक परिणाम निकले हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): वर्ष 2023 से वर्ष 2025 तक (आज तक) टेल स्ट्राइक/स्क्रैप की 07 घटनाएं हुई हैं जो सुरक्षा संबंधी चिंता का महत्वपूर्ण विषय है, जिनमें नागर विमानन महानिदेशालय/वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (डीजीसीए/एएआईबी) ने जांच आरंभ किया है। इसमें चेन्नई हवाईअड्डे की घटना भी शामिल है।

(ग) और (घ): सुरक्षित उड़ान के लिए विमान का उचित ढंग से परीक्षण और प्रमाणन किया जाता है। परिचालन दल को भी विमान के निष्पादन को ध्यान में रखते हुए उचित प्रशिक्षण दिया जाता है और सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए उनका मूल्यांकन किया जाता है।

******